NEWS CLIPPING: 14.02.2018

PUNJAB KESARI

इंजीनियरिंग सिलेबस में बदलाव पर चर्चा को कार्यशाला कल

फरीदाबाद, 13 फरवरी (ब्यूरो): अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर वाईएमसीए में 15 फरवरी को राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित होगी।

आयोजन एआईसीटीई द्वारा इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट व पोस्ट-ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के लिए तैयार किए गए नए मॉडल पाठ्यक्रम को लेकर बेहतर समझ बनाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से किया जा रहा है। अधिष्ठाता (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर ने बताया कि सभी राज्य विश्वविद्यालयों तथा संबद्ध कालेजों के प्रतिनिधियों को कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसका उद्घाटन हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग की मुख्य सचिव ज्योति अरोड़ा करेंगी और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

उन्होंने बताया कि एआईसीटीई से प्रो. राजीव कुमार, सलाहकार-1 (पी व एपी) कार्यशाला में मुख्य वक्ता रहेंगे तथा इंजीनियरिंग कालेजों के लिए मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रणनीति बनाने की जानकारी देंगे। इसके अलावा, यूजी व पीजी स्तर पर मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर भी विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे और संबंधित अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएंगी। प्रो. ग्रोवर ने बताया कि औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से एआईसीटीई द्वारा देशभर में इंजीनियरिंग व तकनीकी पाठ्यक्रमों में व्यापक बदलाव किया गया है। नया पाठ्यक्रम व्यावहारिक पहलुओं पर अधिक केन्द्रित है, जिसमें इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए थ्योरी के साथ ज्यादा से ज्यादा लैब असाइनमेंट पर बल दिया गया है। नये पाठ्यक्रम में थ्योरी के लिए आवश्यक क्रेडिट को घटाते हुए ग्रीष्मावकाश के दौरान 2 से 3 सप्ताह की इंटर्नशिप को जरूरी किया गया है ताकि उन्हें रोजगार के लिए जरूरी कौशल हासिल हो सके। इसके अलावा, आवश्यक इंडक्शन प्रोग्राम तथा वर्चुअल लैब की अवधारणा को भी नये पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 14 February 2018
epaper.punjabkesari.in//c/26250480

NAVBHARAT TIMES

पाठ्यक्रम के लिए होगी कार्यशाला

■ **वस, फरीदाबाद :** अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 15 फरवरी को एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के प्रो. संदीप ग्रोवर ने बताया कि औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से एआईसीटीई द्वारा देशभर में इंजीनियरिंग व तकनीकी पाठ्यक्रमों में व्यापक बदलाव किया गया है। नये पाठ्यक्रम में थ्योरी के लिए आवश्यक क्रेडिट को घटाते हुए ग्रीष्मावकाश के दौरान दो से तीन सप्ताह की इंटर्नशिप को जरूरी किया गया है ताकि उन्हें रोजगार के लिए जरूरी कौशल हासिल हो सके।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 14.02.2018

DAINIK BHASKAR

एआईसीटीई के मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर कार्यशाला कल

भास्कर न्यूज|फरीदाबाद

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की ओर से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने 15 फरवरी को एक राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया है। एआईसीटीई ने हाल ही में इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के लिए नया मॉडल पाठ्यक्रम जारी किया है। कार्यशाला का आयोजन इसी नए मॉडल पाठ्यक्रम को लेकर बेहतर समझ बनाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य को लेकर किया जा रहा है।

उद्घाटन मुख्य सचिव ज्योति अरोड़ा करेंगी

प्रो. संदीप ग्रोवर के मुताबिक सभी राज्य विश्वविद्यालयों तथा संबद्ध कॉलेजों के प्रतिनिधियों को कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया है। इसका उद्घाटन हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग की मुख्य सचिव ज्योति अरोड़ा करेंगी। जबकि कुलपति प्रो. दिनेश कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

DAINIK JAGRAN

राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन 15 को

जासं, फरीदाबाद : अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआइसीटीई) द्वारा वाईएमसीए विश्वविद्यालय में 15 को राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में नए मॉडल पाठ्यक्रम को लेकर बेहतर समझ बनाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से किया जा रहा है। एआइसीटीई द्वारा हाल ही में इंजीनियरिंग के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए नया मॉडल पाठ्यक्रम जारी किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डीन (संस्थान) प्रो.संदीप ग्रोवर ने बताया कि सभी राज्य विश्वविद्यालयों तथा संबद्ध कालेजों के प्रतिनिधियों को कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसका उद्घाटन हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग की मुख्य सचिव ज्योति अरोड़ा करेंगी और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। एआइसीटीई से प्रो. राजीव कुमार, सलाहकार-1 (पी व एपी) कार्यशाला में मुख्य वक्ता रहेंगे। इंजीनियरिंग कालेजों के लिए मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रणनीति बनाने के संबंध में जानकारी देंगे।